>

Title: Need to take stringent action against fake educational institutions offering various lucrative courses in the country.

श्री जयवंत गंगाराम आवले (लातूर): अध्यक्ष महोदया, आजकल मीडिया में शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न कोर्सेज़ से सम्बन्धित विज्ञापनों की भरमार हम बराबर देख रहे हैं। इनमें से कई फर्जी शिक्षा संस्थान भी पनपने की आशंका पैदा हो रही है। इन विज्ञापनों में बड़े ही लुभावने शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। जिनके झांसे में आकर देश के हजारों नवयुवकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ऐसे फर्जी संस्थानों की सरकार के पास पहचान होते हुए भी इन शिक्षण संस्थानों पर सख्त कार्रवाई नहीं हो रही है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। महोदया, कई नामी संस्थानों और मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों से मिलते-जुलते नाम रखना इन फर्जी संस्थानों का पुराना हथकंडा है। देश में ऐसे करीब 205 तकनीकी शिक्षा संस्थान फर्जी है। यह आंकड़ा मानव संसाधन विकास मंत्रालय का ही है। लेकिन इसके बावजूद इन फर्जी संस्थानों पर कोई शिकंजा नहीं कसा जा रहा है। यह बहुत गम्भीर विषय है। देश में अधिकतक जगहों पर ये फर्जी संस्थान युवकों के साथ धोखा कर रहे हैं। मेरी सरकार से मांग है कि इन्हें बंद कराया जाए और इन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।